SJU Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार 26 अगस्त 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 327

महत्वपूर्ण एवं खास

जम्मू कश्मीर के उड़ी में घुसपैठ की कोशिश, सुरक्षाबलों ने मार गिराए 3 पाकिस्तानी आतंकी

श्रीनगर (आरएनएस)। बारामुला जिले के उड़ी इलाके में घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया है। सूत्रों के मुताबिक आतंकियों के एक ग्रुप ने कमालकोट से भारतीय इलाके में घुसने की कोशिश की। सीमापार से हो रही घुसपैठ को देखते हुए इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। अभी इस घटना की अधिक जानकारी सामने नहीं आई है। बता दें कि पिछले 72 घंटे में जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर विभिन्न स्थानों में पाकिस्तान की ओर से की गई घुसपैठ की यह चौथी घटना है। सुरक्षाबलों ने गुरुवार को उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ कर रहे तीन आतंकियों को मार गिराया है। जानकारी के अनुसार सुरक्षाबलों ने इन आतंकियों को उरी के कमलकोट सेक्टर के नानक पोस्ट इलाके में ढेर किया है।

यूपी के औरैया जिले में एक परिवार के 3 लोगों की हत्या

औरैया (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में एक व्यापारी, उसकी पत्नी और बेटे की रहस्यमय परिस्थितियों में गोली मारकर हत्या कर दी गई। 52 वर्षीय संदीप पोरवाल, उनकी 48 वर्षीय पत्नी मीरा और 25 वर्षीय बेटे शिवम के शव उनके पोरवाल कॉलोनी स्थित घर की तीसरी मंजिल पर मिले। ग्राउंड फ्लोर पर सो रहे पोरवाल के छोटे बेटे ने गुरुवार को शव देखे। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एक रिवॉल्वर बरामद कर ली गई है। एक प्रतिष्ठित व्यवसायी होने के अलावा, पोरवाल प्रकाश चंद्र डिग्री कॉलेज के प्रबंधक भी थे। सूत्रों ने बताया कि घटना संभवत: बुधवार रात परिवार के सोने के बाद की है। हैरानी की बात यह है कि घर और आस-पड़ोस में किसी ने गोली चलने की आवाज नहीं सुनी। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि वे मामले की जांच कर रहे हैं।

सोनाली फोगाट मौत मामले में गोवा पुलिस की कार्र्वाई, पीए सुधीर सागवान गिरफ्तार

पणजी (आरएनएस)। बिग बॉस की प्रतियोगी और भाजपा नेता रह चुकीं सोनाली फोगाट की मौत के मामले में गोवा पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया है। डिप्टी एसपी जिवबा दालवी ने कहा कि पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार भी किया है जिनका नाम सुधीर सागवान और सुखविंदर वासी है। बताया जा रहा हैकि सुधीर सागवान सोनाली फोगाट का पीए था और वही फोगाट को अस्पताल ले गया था। सोनाली फोगाट के भाई रिंकू ढाका ने सुधीर और सुखविंद के खिलाफ शिकायत की थी। गुरुवार को सोनाली के शव का पोस्टमॉर्टम किया गया था। रिपोर्ट हैरान करने वाली थी। उनके शरीर पर चोट के निशान पाए गए थे। सोनाली के रिश्तेदार के मुताबिक पोस्टमॉर्टम के बाद सुधीर सागवान और सुखविंदर वासी के खिलाफ आईपीसी की धारा 302 (हत्या) के तहत केस दर्ज किया गया था। सोनाली की मौत के बाद से ही उनके परिवार के लोग सुधीर सागवान पर ही शक कर रहे थे। गोवा पुलिस ने भी इस बात को स्वीकार किया था कि सुधीर ने ही उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। परिवार ने आरोप लगाए थे कि सुधीर सोनाली को नशा देता था और शारीरिक शोषण करता था। वह सोनाली को धमकी भी देता रहता था। परिवार का कहना है कि सोनाली की संपत्ति हड़पने के लिए उनके पीए ने ही हत्या की है। सोनाली के भाई ने बताया कि एक बार सोनाली ने कहा था कि सुधीर ने उन्हें खाने में खीर दी थी और इसके बाद उनकी सेहत बिगड़ गई थी। इस मामले में सुधीर ने सही जवाब नहीं दिया था। वहीं सोनाली के घर पर कई बार चोरी भी हुई थी जिसमें उनके जरूरी दस्तावेज चले गए।

क्रूजर और लॉरी की टक्कर में 9 की मौत

तुमकुरु (आरएनएस)। कर्नाटक के तुमकुरु में गुरुवार तडक़े एक क्रूजर ने लॉरी को टक्कर मार दी, जिसमें 9 मजदूरों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, घायलों का तुमकुरु जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है, जहां चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा शिरा शहर के पास बलेनहल्ली गेट के पास हुआ, जब मजदूर काम के लिए बेंगलुरु जा रहे थे। उनके क्रूजर ने एक वाहन को ओवरटेक करने की कोशिश की, तो इस दौरान वह एक लॉरी से जा टकराया। तीन महिलाओं, चार पुरुषों और दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। उनकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है

यमुना व बेतवा नदी से जुड़े जिलों में अलर्ट रहने के मुख्यमंत्री के निर्देश

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में यमुना और बेतवा नदियों का जलस्तर तेजी से बढऩे के मद्देनजर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन नदियों के तटवर्ती जिलों में प्रशासन को अलर्ट मोड पर रहते हुए अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिये हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से बताया गया कि कल देर रात जारी निर्देश में यमुना और बेतवा नदी के प्रवाह क्षेत्र के जनपदों में बाढ़ के दृष्टिगत सभी संबद्ध जिला प्रशासन को अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारियों को निर्देशित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा है कि राजस्थान के कोटा बैराज व धौलपुर में पानी छोड़े जाने के कारण उत्तर प्रदेश में यमुना नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। वहीं बीते कुछ दिनों में मध्य प्रदेश में हुई तेज बारिश से बेतवा नदी उफान पर है।

ऐसे में आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, औरैया, जालौन, हमीरपुर, बांदा, प्रयागराज, मथुरा और मिर्जापुर जिलों में बाढ़ के संभावित खतरे को देखते हुए गांवों और शहरों में लोगों की सुरक्षा के लिए व्यवस्थित इंतज़ाम करने के निर्देश दिये गये हैं। मुख्यमंत्री योगी ने इन नदियों का जलस्तर खतरे के निशान तक पहुंचने से उत्पन्न हालात की बुधवार को देर रात समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि प्रभावित जिलों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ एवं पीएसी तथा आपदा प्रबंधन की टीमें लगातार सक्रिय रहें।

उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिये आपदा प्रबंधन मित्र, सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों की आवश्यकतानुसार सहायता ली जानी चाहिए। इसके अलावा सभी संबद्ध जिलाधिकारियों से नौकाओं, राहत सामग्री आदि का प्रबंध करने को भी कहा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ या अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों में देर न हो। प्रभावित परिवारों को तत्काल हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। जिन गांवों में जलभराव की स्थिति बने, वहां पशुओं को अन्यत्र सुरक्षित स्थल पर शिफ्ट कराया जाए। इन स्थलों पर पशु चारे की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। राहत कंट्रोल रूम क्रियाशील रहे।यमुना व बेतवा से जुड़े जिलों में अलर्ट रहने के प्रशासन को मुख्यमंत्री के निर्देश

यमुना व बेतवा से जुड़े जिलों में अलर्ट रहने के प्रशासन को मुख्यमंत्री के निर्देश

उत्तर प्रदेश में यमुना और बेतवा नदियों का जलस्तर तेजी से बढऩे के मद्देनजर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन नदियों के तटवर्ती जिलों में प्रशासन को अलर्ट मोड पर रहते हुए अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिये हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से बताया गया कि कल देर रात जारी निर्देश में यमुना और बेतवा नदी के प्रवाह क्षेत्र के जनपदों में बाढ़ के दृष्टिगत सभी संबद्ध जिला प्रशासन को अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारियों को निर्देशित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा है कि राजस्थान के कोटा बैराज व धौलपुर में पानी छोड़े जाने के कारण उत्तर प्रदेश में यमुना नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। वहीं बीते कुछ दिनों में मध्य प्रदेश में हुई तेज बारिश से बेतवा नदी उफान पर है।

ऐसे में आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, औरैया, जालौन, हमीरपुर, बांदा, प्रयागराज, मथुरा और मिर्जापुर जिलों में बाढ़ के संभावित खतरे को देखते हुए गांवों और शहरों में लोगों की सुरक्षा के लिए व्यवस्थित इंतज़ाम करने के निर्देश दिये गये हैं। मुख्यमंत्री योगी ने इन नदियों का जलस्तर खतरे के निशान तक पहुंचने से उत्पन्न हालात की बुधवार को देर रात समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि प्रभावित जिलों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ एवं पीएसी तथा आपदा प्रबंधन की टीमें लगातार सक्रिय रहें।

उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिये आपदा प्रबंधन मित्र, सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों की आवश्यकतानुसार सहायता ली जानी चाहिए। इसके अलावा सभी संबद्ध जिलाधिकारियों से नौकाओं, राहत सामग्री आदि का प्रबंध करने को भी कहा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ या अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों में देर न हो। प्रभावित परिवारों को तत्काल हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। जिन गांवों में जलभराव की स्थिति बने, वहां पशुओं को अन्यत्र सुरक्षित स्थल पर शिफ्ट कराया जाए। इन स्थलों पर पशु चारे की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। राहत कंट्रोल रूम क्रियाशील रहे।

एलओसी पर ड्रग्स तस्करी की कोशिश, बीएसएफ ने पाक घुसपैठिए को मारी गोली

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू कश्मीर में पाकिस्तान लगातार आतंकी साजिश को अंजाम देता रहता है। इसके साथ ही अब पाकिस्तान की ओर से भारत में ड्रग्स तस्करी की कोशिशें भी की जा रही हैं। गुरुवार सुबह सांबा क्षेत्र में भी ड्रग्स तस्करी के मकसद से घुसपैठ की जा रही थी, जिसे बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स यानि बीएसएफ ने नाकाम कर दिया। इस दौरान एक पाकिस्तानी तस्कर को गोली मारी गई। वह घायल होकर वापस पाकिस्तानी इलाके में भागने में सफल रहा। हालांकि बीएसएफ ने इलाके से करीब 8 किलो मादक पदार्थ बरामद किया है।

बीएसएफ की ओर से जानकारी दी गई है कि गुरुवार सुबह गश्त कर रहे बीएसएफ जवानों को नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान की तरफ कुछ संदिग्ध गतिविधि दिखी। इस पर बीएसएफ ने निगरानी शुरू की। इस दौरान एक व्यक्ति पाकिस्तान की ओर बैग के साथ देखा गया। वह भारत में घुसपैठ की कोशिश कर रहा था। इस पर बीएसएफ जवानों ने उस पर गोलीबारी कर दी।

बीएसएफ की गोलीबारी में वह घुसपैठिया घायल हो गया। उसे गोली लगी थी। इसके बाद वह पाकिस्तान की ओर वापस भागने में सफल रहा। हालांकि वह अपने साथ लाया बैग वहीं छोड़ गया। इस बैग में नशीले पदार्थ के 8 पैकेट पाए गए हैं। बीएसएफ ने इस जब्त कर लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। गोली लगने से घुसपैठिये का खून बह रहा था। इलाके में उसके खून के दाग भी पाए गए हैं।

अवैध खनन मामले में ईडी की बड़ी कार्यवाई, सीएम सोरेन के करीबी प्रेम प्रकाश गिरफ्तार

नई दिल्ली (आरएनएस)। अवैध खनन और मनरेगा घोटाले में मनी लांड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई की है। प्रवर्तन निदेशालय ने रांची से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के एक करीबी प्रेम प्रकाश को गिरफ्तार कर लिया है। बुधवार को ईडी ने एक साथ प्रेम प्रकाश के 17 ठिकानों पर छापेमारी की, इस छापे में 2 एके 47, 60 कारतूस व दो मैगजीन बरामद हुई हैं। हालांकि, बाद में रांची पुलिस ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि दोनों एके-47 प्रेम प्रकाश के नहीं बल्कि रात में उनके पास ठहरे दो पुलिस कॉन्सटेबल की है।

बताया जा रहा है कि ईडी ने अवैध खनन और जबरन वसूली के मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा से पूछताछ के बाद कई ठिकानों पर छापेमारी की है। झारखंड और बिहार के करीब 17 लोकेशन पर तलाशी अभियान जारी है।

ईडी ने अवैध खनन मामले में सीएम हेमंत सोरेन के करीबी पंकज मिश्रा, उसके सहयोगी बच्चू यादव को गिरफ्तार किया था। दोनों से पूछताछ के आधार पर ईडी ने ये छापे मारे। ईडी ने 8 जुलाई को मिश्रा व उसके सहयोगियों के 19 ठिकानों पर छापा मारा था। आरोप है कि मिश्रा व अन्य ने खनन माफियाओं से मोटी रकम लेकर उन्हें लाभ पहुंचाया और इस आपराधिक आय को गलत तरह से ठिकाने लगाया। ईडी ने जुलाई के छापों में 50 बैंक खातों में जमा 13.32 करोड़ रुपये जब्त किए थे।

ईडी झारखंड अवैध खनन से वसूली गई 100 करोड़ की आपराधिक आय की भी जांच कर रहा है। ईडी ने छापों के दौरान कई साक्ष्य एकत्रित किये। इसके अलावा लोगों के बयान, डिजिटल साक्ष्य और दस्तावेज भी जब्त किए। इनसे पता चलता है कि जब्त की गई नकदी या बैंक बैलेंस अवैध खनन से प्राप्त किया गया। ईडी साहिबगंज व आसपास बड़े पैमाने पर चल रहे अवैध खनन में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रहा है।

500 से अधिक छात्रों में से किसी ने पास नहीं की बोर्ड परीक्षा, 34 स्कूलों को बंद कर रही असम सरकार

गुवाहाटी (आरएनएस)। देश के अधिकतर राज्यों में सरकारी स्कूलों का क्या हाल है यह किसी से छिपा है। कहीं छात्र हैं तो टीचर नहीं है और कहीं दोनों हैं तो स्कूल के लिए ठीक-ठाक भवन नहीं है। इस बीच असम सरकार ने राज्य के 34 सरकारी स्कूलों को बंद करने का फैसला किया है। स्कूल बंद करने के पीछे जो वजह बताई गई है वो भी हैरान करने वाली है। इन स्कूलों में कुछ बच्चे हैं, लेकिन इन्हें बंद करने के पीछे वजह कोई और है जिसके बारे में जानकारी भी दी गई है।

असम माध्यमिक शिक्षा विभाग के अनुसार, इन स्कूलों में 500 से अधिक छात्र इस साल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड असम की ओर से आयोजित हाई स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट परीक्षा में शामिल हुए थे, लेकिन उनमें से किसी ने भी परीक्षा पास नहीं की। जिसके बाद इन स्कूलों को बंद करने का फैसला किया गया है। वहीं, असम के शिक्षा मंत्री डॉ रनोज पेगू ने कहा कि शून्य सफलता दर वाले इन स्कूलों पर करदाताओं का पैसा खर्च करना व्यर्थ है। असम के शिक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि राज्य में कई अन्य स्कूल हैं जहां छात्रों का नामांकन बहुत कम है।

कुछ स्कूलों में बचे हैं बहुत कम छात्र

पेगु ने आगे कहा, अगर कोई छात्र नहीं है तो स्कूल कैसे चलेगा। कुछ स्कूलों में केवल 2-3 छात्र है। स्कूलों का प्राथमिक कर्तव्य शिक्षा प्रदान करना है। यदि एचएसएलसी परीक्षा में स्कूल परिणाण शून्य हैं तो यह है बेहतर होगा कि ऐसा स्कूल न हो। सरकार करदाताओं के पैसे को जीरो परिणामों के लिए खर्च नहीं कर सकती है। असम के शिक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि इन स्कूलों का पड़ोसी स्कूलों में विलय या एकीकरण किया जाएगा।

विभाग बोला- स्कूलों के परिणाम संतोषजनक नहीं

असम माध्यमिक शिक्षा विभाग के अनुसार, हाल ही में विभाग को राज्य के 290 से अधिक सरकारी स्कूलों से प्रस्ताव और आंकड़े मिले हैं, जहां छात्रों का नामांकन बहुत कम है और परिणाम भी संतोषजनक नहीं हैं। जून में असम माध्यमिक शिक्षा विभाग ने इस साल के हाई स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट या कक्षा 10 की परीक्षा में अपने छात्रों के खराब परिणाम के लिए 102 सरकारी स्कूलों को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया था।

पेगासस में केंद्र ने समिति की जांच में नहीं किया सहयोग, एक महीने बाद होगी 'सुप्रीम' सुनवाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट में पेगासस मामले पर गुरुवार को सुनवाई हुई है। इस दौरान जस्टिस आरवी रविंद्रन समिति की ओर से पीठ के समक्ष सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट दाखिल की गई। सीजेआई एनवी रमणा की तीन सदस्यीय पीठ ने रिपोर्ट पर गौर किया। सुनवाई के दौरान वकील कपिल सिब्बल ने रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की। इस पर सीजेआई ने इनकार कर दिया और कहा कि अदालत रिपोर्ट पर गौर करेगी। सीजेआई ने कहा समिति की सिफारिशों को सार्वजनिक किया जाएगा।

सीजेआई ने कहा कि मामले पर एक महीने बाद अगली सुनवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने समिति की जांच में सहयोग नहीं किया है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि कमेटी की रिपोर्ट पर गौर किया जाए तो टेक्निकल कमेटी को 29 मोबाइल फोन में पेगासस के इस्तेमाल के सबूत नहीं मिले हैं। इनमें से 5 मोबाइल फोन किसी तरह के मालवेयर से प्रभावित पाए गए लेकिन, ये पेगासस था, इसके सबूत मिले हैं। सीजेआई ने कहा कि रिपोर्ट तीन भाग में है। समिति ने सिफारिश की है कि कानून में बदलाव कर सख्त बनाएं। साइबर सिक्योरिटी को मजबूत करें. सीजेआई ने रिपोर्ट पढक़र छह पहलू बताए। उन्होंने कहा कि कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की जाएगी। 29 फोन थे जिसमें मालवेयर पाया गया। इसका मतलब नहीं कि सभी में पेगासस था।

महिला लोको पायलटों की शिकायत से जागा रेलवे, ट्रेन के इंजनों में लगाएगा यूरिनल

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रेलवे अपने लोको पायलटों की सुविधा के लिए जल्द ही ट्रेन के इंजनों में यूरिनल (मूत्रालय) स्थापित कर सकता है। वर्तमान में इंजनों में कोई सैनिटरी सुविधा नहीं है। भारतीय रेलवे में 1000 से अधिक महिला पायलट हैं। रेलवे का कहना है कि मूत्रालय स्थापित करने से पहले वह अपने लोको पायलटों से इस संबंध में बात कर रहा है। पायलटों से फीडबैक लेने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद इस संबंध में कोई आदेश पारित किया जाएगा। रेलवे के एक अधिकारी ने कहा, हमने जरूरत के मुताबिक यूरिनल लगाने के लिए लोको पायलटों से सुझाव लेना शुरू कर दिया है। हम इस बात पर भी गौर कर रहे हैं कि यूरिनल को इंजन में लगाने के लिए क्या जरूरतें होंगी। फीडबैक के आधार पर हम तय करेंगे कि क्या यूरिनल को लगाया जा सकता है या नहीं।

एक अन्य अधिकारी ने कहा, सभी जोनल रेलवे ने पिछले हफ्ते मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के अनुसार, रेलवे बोर्ड (आरबी) के बाद पायलटों से फीडबैक लेना शुरू कर दिया है, सभी जोनों के मुख्य विद्युत लोकोमोटिव इंजीनियरों (सीईएलई) को आदेश जारी किए हैं। नाम न जाहिर करने की शर्त पर अधिकारियों ने कहा कि महिला पायलटों ने इस खराब स्थिति की शिकायत की है।

एक पायलट ने एचटी को बताया कि महिला लोको पायलट अपनी ड्यूटी करने से बचती हैं और असुविधा से बचने के लिए डेस्क जॉब पसंद करती हैं। उन्होंने कहा, सर्दियों के दौरान समस्याएं अधिक होती हैं क्योंकि महिला पायलटों के पास कोई वॉशरूम उपलब्ध नहीं होता है और जब ट्रेन किसी स्टेशन पर पहुँचती है तो उन्हें अन्य कोचों में मौजूद वॉशरूम में जाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। ऐसे मुद्दों के डर से, महिला पायलट अत्यधिक सर्दियों के दौरान डेस्क जॉब करना पसंद करती हैं।

ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन के सदस्यों ने एचटी को बताया कि उन्हें उम्मीद है कि रेलवे जल्द ही यूरिनल स्थापित करेगा। सेवानिवृत्त लोको पायलट और एआईएलआरएसए (उत्तरी रेलवे) के उपाध्यक्ष राम शरण ने कहा, हमने इंजनों में वॉशरूम रखने पर जोर दिया है क्योंकि यह बुनियादी जरूरत है। रेलवे वर्तमान में इंजनों में यूरिनल स्थापित करने की खोज कर रहा है, और मुझे उम्मीद है कि वे जल्द ही स्थापित हो जाएंगे।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने 25 अप्रैल, 2016 को रेलवे बोर्ड को सभी इंजनों में शौचालय और एयर कंडीशनर स्थापित करने का आदेश दिया था, जिस पर बोर्ड ने सहमति व्यक्त की थी। एनएचआरसी को आश्वस्त करने के लिए, भारतीय रेलवे ने पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 97 इंजनों में वाटर क्लोसेट्स स्थापित किए थे और रेलवे अधिकारियों ने कहा कि फीडबैक प्रक्रिया को पूरा करने के बाद, रेलवे इन 97 वाटर क्लोसेट्स में से एक डिजाइन को अंतिम रूप देगा।